संवाद का अर्थ है वार्तालाप। हिंदी में संदेश, वार्तालाप, कथोपकथन, वाद-विवाद आदि शब्द संवाद के पर्याय हैं। सामान्यतः दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच बातचीत को संवाद कहा जाता है। संवाद विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। संवाद आमने सामने बैठकर भी किया जा सकता है और दूर रहकर भी। आधुनिक युग में दूरभाष, चलभाष, इंटरनेट, पत्र, वीडियो कॉन्फ्रेंस आदि संवाद स्थापित करने के कई माध्यम विकसित हो गए हैं। साहित्य में संवाद स्थापित करना एक विशिष्ट एवं उपयुक्त माध्यम है, जहाँ लेखक अपने पात्रों के माध्यम से हृदयगत मनोभावों को संवादों के रूप में अभिव्यक्त करता है। संवादों का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है। कहानी, नाटक, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं में संवाद होते हैं। साहित्य में संवाद कथावस्तु के विकास और पात्रों के चरित्र-चित्रण में सहायक होते हैं। संवाद की भाषा-शैली पात्रनुकूल होती है। संवाद की एक विशेषता है है कि संवाद संक्षिप्त होने चाहिए, कहीं-कहीं आवश्यकतानुसार लंबे संवादों का प्रयोग भी किया जाता है। संवाद कि भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण, मुहावरेदार एवं पात्रानुरूप होनी चाहिए। भाषा विषय तथा पात्रों के अनुकूल होनी चाहिए।

शब्दों का चयन संवाद की पृष्ठभूमि और पात्र के स्तर एवं वर्ग के अनुसार किया जाना चाहिए। कहानी का रूप छोटा होता है इसलिए उसके संवाद छोटे एवं सारगर्भित होते हैं। समाचार-पत्र, दूरदर्शन अथवा अन्य समाचार चैनलों के लिए जो संवाद लिखे जाते हैं, उनमें समसामायिक विषयों और घटनाओं का विवरण प्रस्तुत किया जाता है। संवाद का फ़लक लेखन की अपेक्षा कहीं अधिक विस्तृत होता है। लेखक अपनी सीमाओं में बंधा होता है। संवाद लेखन जटिल कार्य

है जिसमें संवाद लेखक को वक्ताओं की संपूर्ण भाव-भंगिमाओं को महसूस कराते हुए व्यक्त करना होता है। संवाद में एक व्यक्ति किसी विषय पर दूसरे या अन्य व्यक्तियों से प्रश्न पूछता है और उनमें संदर्भित विषय के बारे में जिज्ञासा उत्पन्न करता है। तत्पश्चात दूसरा व्यक्ति उत्तर देता है। इस प्रकार संवाद शुरू हो जाता है।

समाचार पत्रों के शिल्प में संवाद एक महत्वपूर्ण तत्व है क्योंकि समाचार लेखन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष समाचार संचय अथवा रिपोर्ट लेखन है। संवाददाता विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित कर समाचार एकत्र करता है। दैनिक जीवन में प्रयुक्त संवाद लंबे हो सकते हैं। जबकि कहानी, उपन्यास, नाटक, आत्मकथा आदि में प्रयुक्त संवाद लंबे हो सकते हैं। शिक्षित और अशिक्षित की भाषा में अंतर होता है। साथ ही संवाद में देशकाल और वातावरण का भी ध्यान रखा जाता है।